बिहार विधान सभा वादवृत्त।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में बुधवार, तिथि २ सितम्बर, १९५३ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

भारतीय संविधान के प्रतिनिष्ठा का शपथ ग्रहण।

OATH OF ALLEGIANCE TO THE CONSTITUTION OF INDIA.

नाम।	कंस्टिट्युएन्सी।
श्री शिव महादेव प्रसाद	फतुआ।
श्री घनश्याम सिंह	गोगरी।

Name.	Constituency.
Shri Sheo Mahadeo Prasad	Fatwa.
Shri Shan Shyam Singh	Gogri.

अध्यक्ष का प्रारम्भिक अभिभाषण तथा प्रमुख व्यक्तियों के निधन पर शोक प्रकाश।

ADDRESS OF WELCOME BY THE SPEAKER AND CONDOLENCE ON THE DEATH OF SOME PROMINENT CITIZENS.

अध्यक्ष—माननीय सदस्यगण,

भारतीय संविधान के अधीन प्रथम सभा के तृतीय सत्र के अवसर पर इस सदन में एकत्र आप सबका मैं हृदय से स्वागत करता हूं।

सभा के गत अधिवेशन समाप्त होने के उपरान्त अपने राज्य एवं देश में कुछ ऐसी घटनाएं हो गयी हैं जिनका उल्लेख करते मुझे बहुत दुख होता है। डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी श्रीनगर के नर्सिंग होम में कुछ ही दिनों तक बीमार रहने के उपरान्त अकस्मात गत २३ जून को प्रातःकाल में इस असार संसार को छोड़ कर चल बसे।

डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म ६ जुलाई, १९०१, को कलकत्ता में हुआ था। कलकत्ते के प्रेसिडेंसी कालेज से एम० ए० और बी० एल० की परीक्षायें पास कर वे इंगलैंड गये और १९२७ में उन्होंने बैरिस्ट्री परीक्षा पास की। स्वदेश लौटने पर कलकत्ता विश्वविद्यालय ने उन्हें डाक्टर आफ लिटरेचर की उपाधि दी। बाद में वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के उप-कुलपति बनाये गये। शिक्षा-क्षेत्र में प्रसिद्धि पाने के बाद डाक्टर मुखर्जी ने राजनीति में पदार्पण किया। बंगाल विधान परिषद् और विधान सभा के सदस्य चुने गये। स्वाधीन भारत के पहले मंत्रिमंडल में आप उद्योग और रसद मंत्री बनाये गये। परन्तु ८ अप्रैल, १९५० को उन्होंने केन्द्रीय मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। इसके बाद लोक सभा में विरोधी दल के नेता के रूप में इनने देश की सेवा की। इनके निधन से भारतीय संसद ने एक तेजस्वी वक्ता तथा प्रभावशाली देशसेवक खो दिया। भगवान दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और संतप्त परिवार को इस दारूण दुख को सह लेने की शक्ति दें।

गत सत्रावसान के बाद राज्य विधान सभा के माननीय सदस्य श्रद्धेय श्री गौरीचरण सिंह की भी असामयिक मृत्यु हो गई।

अपने क्षेत्र में श्री गौरीचरण सिंह एक सुप्रतिष्ठित व्यक्ति थे। हजारीबाग डिस्ट्रिक्ट बोर्ड के सदस्य की हैसियत से आप वहां की जनता की सेवा में सदा तत्पर रहा करते थे। यह जनता की सेवा का ही फल था कि पिछले सामान्य निर्वाचन में आप राज्य विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए।

गत २३ जून, १९५३ को श्री मलिक मुहम्मद महमूद साहब, बार० एट० लॉ० का देहान्त अपने निवास स्थान पर हो गया। आप राज्य विधान परिषद् के १९५० तक सदस्य थे। पटना सदर लोकल बोर्ड के चेयरमैन की हैसियत से आपने समाज की जो सेवायें की हैं वे चिरस्मरणीय रहेंगी।

12. L. P. School, Baria. 13. Near Gola Tola. 14. Paul Tola. 15. Baia. 16. Bobindpur. 17. to 22. Baria. 23. Gopi Tola. 24. Sahardangi. 25. Bagmara. 26. and 27. Dilapur. 28. and 29. Chaina. 30 to 32. Baria. 33 to 35. Baia. 36. Baghmara. 37. Azampur Gola. 38. to 41. Dilarpura. 42. to 48. Topra. 49. Hansbari. 50. Bantia. 51. Dilarpur. 52. to 55. Dilarpur. 56. Nawabganj. 57. Nawabganj. 58. Mednipur. 59. Nawabganj. 60. to 72. Pardisra. 73. Bantia. 74. Kewala. 75. and 76. Kewala. 76A. Bairia. *Barari P.-S.*—77. Marghia. 78. Bakia. 79. Santoshpur. 80. Kursela. 81. Marghia. 82. Kheria. 83. Karahgola. 84. Uchla. 85. Nababganj. 86. and 87. Simraha. 88. Barinagar. 89. Madheli. 90. Madhli. 91. Simraha. 92.and 93.Bhandartola. 94. Jadishpur. 95.Bareta. 96. Marghia. 97. Baidabda. 98. Karhagola. 99. Uchala. 100. Barinagar. 101. Baidanda. 102. Kabar. 103. Kantnagar. 104. Bakia. 105. Bakiai. 106. Gurumela. 107. Bhawanipur. 108. Madhli. 109. Bharanli. 110. Nababganj. 111. Kantanagar. 112. Kakshmipur. 113. Harishpur. 114. Baidabda. 115. Uchla. 116. Margahia. 117. Madheli. 118. Kantnagar. 119. Bakiadira. 120. Hussena. 121. Wantnagar. 122. Sisia. 123. Debiberatta. 124. Jaddishpur. 125. Kheri. 126. Gidhabari. 127. Ramnagar. 128. Mohdepur Hussaini. 129. Hasimpur. 130. Balua. 131. Bishanpur. 132. Barinagar. 133. and 134. Sikat. 135. Marghia. 136. Kajra. 137. Mohdpur Hasim. 138. Mohdpur Hashia. 139. Sisia. 140. Bakisdira. 141. Salaili. 142. Marghia. 143. Debibretta. 144. Bakia. 145. to 150. Dibibretta. 151. and 152. Marghia. 153. Bakia Dira. 154. Marghia. 155. Debi Bratta. 156. Amerkola. 157. Rajapakar. 158. Bhawanipur. 159. Ammerkola. 160. Basuhar. 161. Brari. 162. Sakraili. 163. Madhubani 164. and 165. Ajodhiaganj. 166. and 167. Barari. 168. Barinar. 169. Jagdishpur. 170. Karhagola. 171. Barari Hospital. 172. and 173. Bakia. 174. Karhagola. 175. Bishanpur. 176. Sikat. 177. Karha Baua. 178. Gidhabari. 179. Marghia. *Korha P.-S.*—180. Bakhari. 181. Samaili. 182. to 185. Dumari. 186. Bishaharia. 187. Madhura. 188. Madhura. 189. and 190. Madhura Chunna. 191. Lohmi. 192. Kharira. 193. to 197. Sisia. 198. Chandpur.

दीघा थाना अन्तर्गत खास महाल की जमीन।

२३२। श्री मुंगेरी लाल—क्या मंत्री, राजस्व-विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) दीघा थाना अन्तर्गत खास महाल का कितना दियारा गंगबरार है और कितना गंगसिकस्त ;

(ख) किन-किन प्लाट पर मालिक-रैयत, रैयत-रैयत और सरकार से मुकदमा चल रहा है ?

श्री कृष्ण वल्लभ सहाय—(क) विवरण मेज पर रखा है।

(ख) दीघा थाने के अन्तर्गत खास महाल की जमीनों को लेकर रैयतों और खास महाल के बीच कोई झगड़ा नहीं है। सरकार को इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि उक्त क्षेत्र में रैयतों और अन्य जमींदारों या रैयतों और रैयतों के बीच में झगड़ा है।

अतारांकित प्रश्नोत्तर

दीघा थाने में स्थित स्टेटों के उपजाऊ तथा ऊसर क्षेत्रों का विवरण।

तौजी संख्या।	स्टेटों के नाम।	खेती के योग्य क्षेत्र जो जल के बाहर हैं।	खेती के लिये अयोग्य क्षेत्र जो जल में डूबे या बालूमय हैं।	कैफियत।
१	२	३	४	५
		एकड़।	एकड़।	
१७५५४	दीघा दियारा ..	६७२.६८	..	
५२०२	दियारा महम्मदपुर फाज़िल	३३.७५	२७२.६१	
५१३५	मौजे हम्मीदपुर दीघा ..	३.७५	५०.३६	
५३६०	मौजे दुजरा ..	१०.००	४८.१८	
५२३५	दियारा मैनपुर किल्ची ..	४.२०	..	
५१३४	दियारा मौजे दीघा ..	..	..	बिल्कुल जल में डूबा हुआ है।
५४५०	हम्मीदपुर दीघा ..	..	..	बिल्कुल जल में डूबा हुआ है।
५४५१	दियारा मौजे हम्मीदपुर दीघा।	..	..	बिल्कुल जल में डूबा हुआ है।

CONSTRUCTION OF BANDH AT VILLAGE BHARATH.

233. Shri BABUAY LAL MAHTO: Will the Minister in charge of the Revenue Department be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that a Bandh at village Bharath under Circle 18 of Darbhanga Sadr police-station was constructed in the year 1950 to provide protection against the Mohini river;

(*b*) whether the Bandh was completed in full or any portion left over to be completed later on;

(*c*) whether it is a fact that the provision of the two sluice gates for inlet and outlet connected with the Mohini river was also considered necessary at the time of the construction of the Bandh but nothing has been done in furtherance of the same;

(*d*) if the answer to the above clauses be in the affirmative do Government consider it desirable to complete the construction of the Bandh and provide two sluice gates as early as possible?